दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-226
मुरादाबाद
07 December 2024
(Saturday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महापरिनिर्वाण दिवस पर बीआर आंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि; कुछ इस अंदाज में मिले पीएम मोदी और खरगे

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज जब देश उनके योगदान को याद कर रहा है तो वे उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं।संसद भवन लॉन में 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ. बीआर आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद,

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पीएम मोदी और खरगे ने कुछ खास अंदाज में एक दूसरे का स्वागत किया। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और किसी भी ठहाके लगाकर हंसते हुए दिखाई दिए। पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि - इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज जब देश उनके योगदान को याद कर रहा है तो वे उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं। पीएम मोदी ने क्या कहा? उन्होंने 'एक्स' कहा, %महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम अपने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते हैं। समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. आंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है। आज जब हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं, हम उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। प्रधानमंत्री ने इस पोस्ट के साथ ही इस साल की शुरुआत में मुंबई में चैत्य भूमि की अपनी यात्रा से जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की और लिखा, %जय भीम%। आदर्शों और संविधान की रक्षा करने की जरूरत- खरगे कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बीआर आंबेडकर के आदर्शों और उनके सर्वोत्तम योगदान भारत के संविधान की रक्षा, सुरक्षा और संरक्षण की सख्त जरूरत है। महापरिनिर्वाण दिवस पर हम संविधान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया।छह दिसंबर को मनाई जाती है पुण्यतिथि- आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। इसे 'महापरिनिर्वाण दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन छह दिसंबर, 1956 को नयी दिल्ली में हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

बाबरी मामले के पक्षकार इकबाल अंसारी बोले- अब अयोध्या में शांति... सभी ने कोर्ट के फैसले को स्वीकारा

बाबरी मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि अब अयोध्या में छह दिसंबर नहीं मनाया जाता है। मुसलमानों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार किया है।बाबरी मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या में अब शांति है। अब यहां छह दिसंबर नहीं मनाया जाता है। पूरे देश के मुसलमानों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार किया है। अब कहीं कोई झगड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में अब हिंदू-मुसलमान साथ मिलकर रह रहे हैं। हमारे देश के लिए जरूरी है कि हिंदू-मुसलमान साथ मिलकर रहें।अंसारी ने कहा कि अब न तो कोई विवाद रहा और न ही मुकदमा है। अयोध्या गंगा जमुनी तहजीब की धरती है। राम मंदिर बन चुका है अब कोई लड़ाई नहीं है।

सड़क हादसों में मौतों पर गडकरी बोले- लोगों में कानून को लेकर न कोई सम्मान, न ही डर

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री निति गडकरी ने कहा कि कड़ी कोशिशों के बावजूद इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.68 लाख मौतें हुई हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मौतें इसलिए हुई क्योंकि सड़कों पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के सरकार के लगातार प्रयासों के बावजूद हताहतों की संख्या में वृद्धि हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि आम नागरिकों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि चार कारक हैं, जो सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये हैं, सड़क इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, कानून का प्रवर्तन और लोगों की शिक्षा।इस साल सड़क हादसों में 1.68 लाख मौतें - गडकरी ने कहा, कड़ी कोशिशों के बावजूद इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.68 लाख मौतें हुई हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मौतें इसलिए हुई क्योंकि सड़कों पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया है। लालबत्ती पर गाड़ी नहीं रोकते, हेलमेट नहीं पहनते-गडकरी ने कहा, बड़ी समस्या यह है कि लोग लालबत्ती पर गाड़ी नहीं रोकते। 30 हजार लोग सिर्फ इसलिए मर जाते हैं क्योंकि वे हेलमेट नहीं पहनते। मैं खुद इसका शिकार रहा हूं, जब मैं महाराष्ट्र में विपक्ष का नेता था, तब एक दुर्घटना में मेरा पैर चार जगह से टूट गया था और मैं इसे लेकर लगातार संवेदनशील हूं। पारदर्शी तरीके से पट्टे पर दिए गए छह हवाई अड्डे- नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि छह हवाई अड्डों को गहन, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अदाणी समूह को पट्टे पर दिया गया था। सरकार के स्वामित्व वाले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने छह हवाई अड्डों- लखनऊ ,अहमदाबाद, मंगलुरू, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम-को अदाणी समूह को पट्टे पर दिया है। तृणमूल कांग्रेस नेता सौगत रॉय ने लोकसभा में कहा कि नीति आयोग और आर्थिक मामलों के विभाग का विचार था कि दो हवाई अड्डों को एक ही समूह को नहीं दिया जाना चाहिए।

डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस : सीएम योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि, प्रदेश भर में कार्यक्रम कर रही भाजपा

डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आज प्रदेश भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के सभी बूथों पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। प्रत्येक बूथ पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन होगा और गोष्ठियों के माध्यम से राष्ट्र नवनिर्माण में डॉ. आंबेडकर के योगदान पर चर्चा होगी।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि दी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान दिया कि संविधान शिल्पी, सामाजिक न्याय के पुरोधा और वंचितों के प्रखर स्वर, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! अंत्योदय ,एवं लोक-कल्याण हेतु समर्पित बाबा साहब सच्चे अर्थों में मां भारती के महारत्न और लोकतंत्र की पाठशाला हैं। उनका संपूर्ण जीवन हम सभी के लिए पाथेय है। वहीं, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी बुलंदशहर तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह लखनऊ में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए।

संविधान शिल्पी, सामाजिक न्याय के पुरोधा और वंचितों के प्रखर स्वर, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!अंत्योदय एवं लोक-कल्याण हेतु समर्पित बाबा साहब सच्चे अर्थों में मां भारती के महारत्न और लोकतंत्र की पाठशाला हैं। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती भी डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संदेश जारी करेंगी।

इसी तरह समाजवादी पार्टी की ओर से भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राहुल गांधी ने PM पर फिर अदाणी मामले को लेकर बोला हमला, कहा- मोदी जी सदन में आओ...

कांग्रेस के नेतृत्व में कई विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को अदाणी मुद्दे पर संसद परिसर के अंदर विरोध मार्च निकाला। सांसदों ने काले मास्क पहन रखे थे जिन पर मोदी अदाणी भाई भाई लिखा हुआ था।संसद के शीतकालीन सत्र के 9वें दिन शुक्रवार को जमकर बवाल हो रहा है। राज्यसभा के अंदर कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट पर नोटों की गड्डी मिलने से संसद का माहौल गरमा गया है। वहीं अदाणी मसले पर कांग्रेस लगातार हमलावर हो रही है। इन सबके बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए मोदी को संसद में आने को कहा। साथ ही उनसे अदाणी मामले पर नहीं डरने की सलाह दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर कहा, %मोदी जी संसद में आओ, अदाणी पर जांच से मत घबराओ।% %मोदी अदाणी, भाई-भाई%- कांग्रेस अपने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के साथ शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही अमेरिका द्वारा अदाणी के अभियोग पर चर्चा करने की अपनी मांग पर कायम है। इससे पहले दिन में, विपक्षी सांसदों ने अदाणी मुद्दे पर विरोध जताने के लिए मास्क पहने, जिसपर लिखा था- %मोदी अदाणी, भाई-भाई%। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी हाथ में संविधान की प्रति लिए नजर आए।भारत सरकार इस मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहती है वेणुगोपाल-कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अदाणी के लिए यहां संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, %आज बीआर आंबेडकर की पुण्यतिथि है, वह व्यक्ति जिन्होंने भारत का संविधान दिया। अदाणी के लिए यहां संवैधानिक अधिकार का हनन किया गया है। हम सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी अदाणी का नाम आता है, भारत सरकार इस मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहती है। उन्हें ध्यान भटकाने दीजिए, हम अपना विरोध जारी रखेंगे।% भाजपा ने की आलोचना- अदाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा अदाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। भाजपा ने कहा कि कानून अपना काम करेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हमले को लेकर उनकी आलोचना की।

संपादकीय Editorial

Vice President's questions on farmers

"Agriculture Minister, every moment is important for you. I request you and the person occupying the second position under the Constitution of India is requesting you to please tell me whether any promise was made to the farmers? Why was the promise not fulfilled? What are we doing to fulfill the promise? There was a movement last year, there is a movement this year too. The wheel of time is turning and we are unable to do anything!" Vice President Jagdeep Dhankhar has asked these questions to Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan regarding farmers. This is the first time that the Vice President has asked questions to the Agriculture Minister in the same government. The Vice President himself is a farmer, from a rural background. He even said that if you give the farmer a fair price for his crop, then no mountain will fall. These questions of the Vice President are relevant because the farmers' movement can start again from December 6. This time it will not be limited to Punjab, Haryana, Western UP, but farmers' fronts will also be agitating from states like Tamil Nadu, Kerala, Karnataka etc. The Vice President's question is why the farmers of the country are constantly troubled, suffering and agitating? The farmers who are sitting at home are also agitating and worried, so if the number of agitations is not counted, then the farmers will take to the streets. Although Vice President Dhankhar did not say anything about the legal guarantee of Minimum Support Price (MSP) and did not even question the committee formed in this regard, but in the form of the Vice President, farmers have got a strong, powerful advocate. Shivraj also became the Agriculture Minister only in June 2024. Whatever promises would have been made, they would be from the period of Narendra Tomar and Arjun Munda as Agriculture Ministers! Anyway, agriculture contributes more than 17 percent to India's economy and agriculture and farmers contribute about 47 percent to the country's workforce. About two-thirds of the country's population is dependent on agriculture, but even today the average income of a farmer is Rs 16,928 per month. Expenditures have increased more than the income of the farmer and there is a debt of more than Rs 91,000 per farmer. The question is also why did the Vice President speak publicly in favour of the farmers? And why were the Agriculture Minister questioned on the same platform? The Agriculture Minister is not solely responsible for the farmer-related schemes and policies. If the compensation for agricultural land is not being given 4 times after 2014, if the legal guarantee of MSP has not been fixed, then the Union Cabinet is responsible for solving all such problems. It is especially the responsibility of Prime Minister Modi, because such policy decisions are thought of at the Prime Minister's level and then formally passed in the Cabinet. If once again the farmers mobilize and start a movement in the capital Delhi or its surrounding areas, then the public system will become chaotic all around. When the last farmer movement was ended, Prime Minister Modi himself had assured them. A committee was formed, the chairmanship of which was entrusted to former Agriculture Secretary Sanjay Agarwal. He has been considered the drafter of the three so-called black agricultural laws. That committee has held about 100 meetings in the last two years, but the report of the committee has not been made public till date. A section of agricultural experts believes that legal guarantee of MSP is not a solution. Only by providing open market can the situation of the farmer change, but the most important demand of the agitating farmers is that legal guarantee of MSP should be given. This time the farmers are in the mood for a do-or-die agitation.

Reservation should not be breached, we have to be cautious of the clutches of those who convert

It should be kept in mind that the current legal framework under Article 341 of 1950 allows SC status only to followers of Hindu, Sikh and Buddhist religions. Initially this order was limited to Hindu community only but in 1956 Sikh and in 1990 Buddhist community were also included in it. Constitutional amendments have been taking place in the interest of nation and society. Mahaparinirvan Diwas of Baba Saheb Dr. Bhimrao Ambedkar is an appropriate occasion that we should take a pledge to follow that path as an enlightened citizen by imbibing the values ??and teachings of the architect of the Indian Constitution. One aspect of such resolutions is that the constitutional spirit and values ??should not disappear and they should be made consistent with the country, time and circumstances. Our Constitution makers were very farsighted in this context. They made this democratic text flexible instead of making it rigid. This aspect has also played a special role in the success of the Indian Constitution. This aspect provides scope for proper interpretation of the Constitution and the institutions related to this responsibility also keep fulfilling their duty from time to time. Recently, the Supreme Court did the same in the case of a petition related to the benefits of Scheduled Castes by a woman from Tamil Nadu belonging to the Christian religion. The Supreme Court, while justifying the decision of the Madras High Court, talked about the misuse of Article 25. Article 25 of the Constitution provides freedom of conscience and to believe, practice and propagate religion or sect without hindrance, but under its cover, a disgusting conspiracy of conversion is being carried out in the country. There has been a long debate on the benefits of reservation to the people of Scheduled Castes and Tribes converted to Christianity and Islam. In the Constitution of India, provision of reservation was made to ensure proper participation of Scheduled Castes and Tribes in education, service, power and governance. Due to the long struggle of Dr. Bhimrao Ambedkar against untouchability, leaders of all parties want to bake their political bread by taking his name in every matter. To take advantage of this, political parties and alliances have become the party of Islamic and Christian organizations and are silent on the conversions being done by them in the country. From time to time, news of conversion of Scheduled Castes and Tribes by Christian missionaries keeps getting published. When those who convert people under the guise of fear or greed are caught, they escape by taking shelter of Article 25 of the Constitution. In Bihar's Buxar district, the pastors had even washed away the sindoor from the parting of women's hair while converting them to Christianity. They were also arrested, but the weakness of the law was exposed when they were granted bail the very next day. No authentic case of Scheduled Caste people accepting Christianity or Islam comes to light because in the census of Scheduled Castes, there is only a column for Hindus, Sikhs and Buddhists. There is no mention of them being Christians or Muslims. The Supreme Court's decision in the above mentioned case of Tamil Nadu proved that people of Scheduled Castes keep becoming Christians. Similarly, people of tribal society keep getting converted. Everyone is aware of this, but no one is ready to get to the bottom of the problem. Due to the conversion of the tribal community, Nagaland, Mizoram and Meghalaya in the Northeast have become Christian majority states. In the near future, there are chances that Arunachal and Manipur will also become Christian majority. In the year 1947, the country was divided. The Christian Chief Minister of Mizoram had also advocated for making a Christian country. To save the SC-ST community from Islamic and Christian organizations engaged in conversion, these communities will have to be prevented from converting by deceit and force by bringing forward the views of Dr. Ambedkar. Dhananjay Keer, the author of Ambedkar's biography, has expressed Baba Saheb's viewpoint in these words, 'If the untouchables accept Islam or Christianity, then they will go out of Hinduism as well as Hindu culture. It is worth keeping in mind what impact the conversion of untouchables will have on the country in general. If they become Muslims, the number of Muslims will double. If they become Christians, the number of Christians will increase to five-six crores. The result of this will be that it will help in strengthening the hold of British power on this country.' In such a situation, it is no surprise that the vote traders have been demanding reservation for the Scheduled Caste and Tribe people even after their conversion. A commission has been formed to consider reservation for Scheduled Castes. The commission, constituted on 6 October 2022 under the chairmanship of former Chief Justice KG Balakrishnan, was entrusted with the task of comprehensively studying the status of granting SC status to converted Dalits. The tenure of the commission has been extended by one year to the new deadline of 10 October 2025. It should be noted that the current legal framework under Article 341 of 1950 allows granting SC status only to followers of Hindu, Sikh and Buddhist religions. Initially this order was limited to the Hindu community only, but in 1956 Sikhs and in 1990 Buddhist community were also included in it. Constitutional amendments have been made in the interest of the nation and society. It may happen in the future too, but since the country has been divided once, conversions should not be allowed in the name of propagating religion. Along with this, a strict law should be made to ensure that converted people do not get the benefit of reservation.

East Pakistan becoming Bangladesh, India will have to remain alert

If India thinks that it will put pressure on Bangladesh through diplomatic efforts after Donald Trump becomes the President, then it may be too late. India can put pressure for deployment of joint forces in Bangladesh to protect minorities. Such examples can be seen in Africa where joint forces have been deployed in some countries to protect minorities. Attacks on Hindus have been continuing in Bangladesh since the bloody coup of the Sheikh Hasina government. From there, news of forced resignations of Hindu employees, occupation of their lands, burning of houses, destruction of temples and idols and rape of women are continuously coming. The interim government of Bangladesh and the world's major media establishments mainly ignored these attacks, but the arrest of the head of a Hindu organization and ISKCON religious leader Chinmay Krishna Das has forced people at the international level to take cognizance of the Hindu oppression happening in Bangladesh. Chinmay and other Hindu leaders are accused of committing treason by hoisting the ISKCON flag above the Bangladesh flag in their Chittagong public meeting. On the basis of which they have been arrested, every spectator sitting in a football stadium whose favourite club's flag is seen above the Bangladeshi flag can be arrested. Under the Penal Code 121 and 124, under which the treason case has been filed, permission of the Home Ministry is necessary for action, but the Dhaka police directly made the arrest. It is the audacity of the Bangladesh government and its police that it is completely inactive on the attacks on hundreds of temples and the heinous crimes being committed against Hindus and other minorities, but on the orders of the Home Ministry, it has withdrawn all the cases filed against the 'protesters' between 15 July and 8 August. The Bangladeshi police is arresting Hindus in completely fake cases. It is also worth noting that Bangladesh National Party leader Feroz Khan, on whose complaint the Hindu religious leader was arrested, has been suspended from the BNP for this absurd complaint. It is clear that the interim government of Mohammad Yunus wants to teach the Hindu religious leader a lesson for his courage to protect Hindu interests. It is also clear that the interim government wants that Hindus should not come out on the streets against the atrocities being committed on them. Despite international criticism of the arrest of Chinmay Krishna Das, two more ISKCON saints were arrested among others. Many bank accounts of ISKCON have also been seized. Saints associated with it are being prevented from coming to India. Fearful of the murderous attack on Raman Rai, the lawyer of Nyamay, no lawyer is coming forward to defend him. In fact, the Islamic fundamentalists and the Yunus government are furious with the historic Hindu rally of 25 October in Chittagong and they want to crush the Hindu leadership in any way. The violence that has been going on in Bangladesh for the last four-five months is different in the sense that a campaign is being run to deny, hide or downplay it. Under this, Voice of America radio channel conducted a survey and asked Bangladeshis whether minorities are safe in the interim government? How fake this survey was can be understood from the fact that in this survey of only 1000 people, 927 respondents were Muslims. In the survey, 64.1 percent people said that the condition of minorities in the interim government is better than that of Sheikh Hasina's rule. The results of this fake survey were presented as facts by Bangladeshi and foreign media. According to the Hindu Buddhist Christian Council, 2010 attacks took place on minorities in the first month of the coup. Bangladesh's largest newspaper 'Prothom Alo', in an investigation conducted by its reporters, confirmed 1068 attacks on Hindus and other minorities in 49 districts between 5 and 20 August. Nine Hindus were killed in these attacks. The reporters of this newspaper themselves witnessed 546 of these attacks. Bangladesh Police has not only failed to stop anti-Hindu violence, but it has also targeted Hindus. The brutal lathicharge on peaceful Hindus protesting in Hazari Lane, Rangpur, Chittagong is an example of this. In Khulna, the police first arrested 18-year-old Utsav Mandal on charges of blasphemy and brought him to the police station and then allowed the mob to attack him. If minorities are in danger in West and East Pakistan (Bangladesh) formed against the wishes of the minorities, then it is India's moral responsibility to protect them. India's role becomes even more important in relation to Bangladesh, because it has played an important role in its creation. Since whenever attacks on Hindus start there, then groups of refugees come to India, therefore, the atrocities being committed on minorities cannot be shrugged off by calling them an internal matter of Bangladesh. Although the Indian government has appealed to the interim government of Bangladesh to protect the lives and property of the minorities, but this is not enough. When the governance system of Bangladesh is again moving towards becoming East Pakistan, then India should also re-evaluate its relations. If India thinks that it will put pressure on Bangladesh through diplomatic efforts after Donald Trump becomes the President, then it may be too late. India can put pressure for deployment of joint forces in Bangladesh to protect the minorities. Such an example can be seen in Africa This is seen in Bangladesh, where joint forces have been deployed in some countries to protect minorities. The time has come to push for the creation of autonomous regions for minorities within Bangladesh itself. Due to its geographical location, Bangladesh is dependent on India for many essential commodities. India should also keep the option of military intervention open, including economic sanctions and trade barriers. India will have to get out of the mindset that even in the most difficult situations, it can only resort to diplomatic or international pressure. India will have to see what it can do apart from this?

महिला शिक्षामित्र ने पढ़ाने की जगह करवाया मसाज, ?VIDEO वायरल होने पर BSA ने खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपी जांच

मुरादाबाद- परिषदीय स्कूल में शिक्षामित्र बच्चों को पढ़ाने की जगह धूप में बैठकर बच्चों से मसाज कराने लगी। उसकी हरकत की किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर

दी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से शिक्षामित्र के साथ शिक्षा विभाग की फजीहत हो रही है। बीएसए ने वीडियो का संज्ञान लेकर खंड शिक्षा अधिकारी को जांच सौंपी है। नगर में बच्चों को शिक्षा देने की जगह बच्चों से सिर दबवाने व मसाज कराने का वीडियो काशीपुर चुंगी स्थित मोहल्ला जाटवान में कंपोजिट विद्यालय का बताया जा रहा है। वीडियो में बच्चों से मसाज करवा रही आरोपी शिक्षामित्र बताई जा रही है, जोकि काशीपुर से विद्यालय में पढ़ाने आती है। वायरल वीडियो में स्कूल परिसर में बिना फर्नीचर के चार बच्चे विद्यालय परिसर के खुले मैदान में बैठे नजर आ रहे हैं। बच्चों के बैठने के लिए ईंटों के फर्श पर कोई व्यवस्था नहीं है। दो बच्चे कुर्सी पर बैठी शिक्षामित्र के दाएं-बाएं खड़े होकर कंधों की मसाज कर रहे हैं। 41 सेकिंड की वीडियो में आ रही आवाज परिषदीय विद्यालय की शिक्षा का हाल बयान कर रही है। .हालांकि, वीडियो में यह साफ नहीं हो रहा है कि वीडियो कब और किसने बनाई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का खंड शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने संज्ञान लिया है और खंड शिक्षा अधिकारी मोहित कुमार को जांच सौंपी है। बताया जाता है कि इससे पहले भी उक्त शिक्षामित्र की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की गई थी। लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी के चलते बच्चों से मसाज कराने की वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है।

संभल हिंसा: वरिष्ठ जेल अधीक्षक पर भी लटकी कार्रवाई की तलवार, आरोपियों से सपा नेताओं की कराई थी मुलाकात

मुरादाबाद- संभल बवाल के आरोपियों से अवैध मुलाकात के मामले में वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी सिंह की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। जांच में जेलर और डिप्टी जेलर की लापरवाही सामने आने पर उन्हें निलंबित किया गया। अधीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई है।संभल बवाल के आरोपियों से जेल में सपाइयों की मुलाकात के खेल में जेल अधीक्षक पीपी सिंह भी फंस गए हैं। डीआईजी जेल की गई जांच में उनकी भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। इसी रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना व्यक्त की जा रही है।आरोप है कि जेल में अवैध मुलाकात की जानकारी मिलने के बाद भी वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने अधीनस्थों से पूछताछ नहीं की और न ही उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। सोमवार को मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन, ठाकुरद्वारा के विधायक नवाब जान, नौगांवा सादात के विधायक समरपाल सिंह समेत 15 सपाइयों ने जिला जेल में संभल बवाल के आरोपियों से मुलाकात की थी।मुलाकात करने के बाद सपाइयों ने बयान दिया तो वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद शासन तक हड़कंप मच गया था। इस मामले में डीजी जेल के निर्देश पर डीआईजी जेल कुंतल किशोर ने जेल पहुंचकर

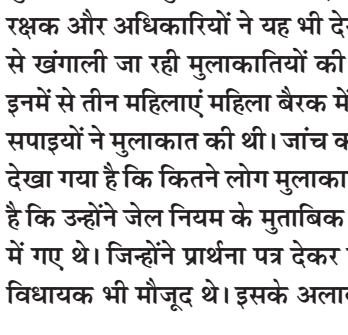

पूरे मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि मुलाकात कराने में जेल नियमों का पालन नहीं किया गया है। जांच में वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी सिंह, जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह की लापरवाही सामने आई । इसके आधार पर जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया गया है जबकि वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। जांच में पाया गया है कि वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने इतने संवेदनशील मामले में संभल बवाल के आरोपियों से मुलाकात करने वाले जेलर और डिप्टी जेलर के खिलाफ न तो अपने स्तर से कोई जांच पड़ताल कराई और न उच्च अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी। डीआईजी जेल कुंतल किशोर का कहना है कि इस मामले में अब तक जेलर और डिप्टी जेल पर कार्रवाई की जा चुकी है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई शासन स्तर से होगी। एकांत बैरक में रखे गए संभल बवाल के आरोपी- जेल में अवैध मुलाकात कराने में दो अफसरों के सस्पेंड होने के बाद यहां कड़ा पहरा कर दिया गया है। संभल बवाल के आरोपियों को एकांत बैरक में रखा गया है। इसके अलावा जेल में अन्य बंदियों से मुलाकात करने वाले मुलाकातियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। 24 नवंबर को संभल में जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इस मामले में पुलिस ने तीन महिला समेत 27 आरोपी जेल में बंद हैं। सोमवार को सपाइयों ने इनसे मुलाकात की थी। इसके बाद से हड़कंप मचा हुआ है। इसके बाद से जेल के बाहर से लेकर अंदर तक सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। बृहस्पतिवार को बंदियों और कैदियों की दो शिफ्टों में मुलाकात कराई गई। इस दौरान मुलाकात स्थल पर बंदी रक्षक और अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान एक एक मुलाकाती पर नजर रखी गई कि कोई मुलाकात संभल बवाल के आरोपियों से मुलाकात तो नहीं कर रहा है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी एक टीम लगातार निगरानी कर दी गई। तीन जगह चेकिंग के बाद ही मुलाकातियों को प्रवेश दिया गया। ऑनलाइन पर्ची बनवाकर आरोपियों के परिजनों ने की मुलाकात- .संभल बवाल के आरोपियों से उनके परिजनों ने बृहस्पतिवार को भी मुलाकात की। मुलाकात की है। इस दौरान सभी का डाटा भी रजिस्टर में दर्ज किया गया है। बंदी रक्षक और अधिकारियों ने यह भी देखा कि कोई अन्य व्यक्ति को मुलाकात नहीं कर रहा है। फुटेज से खंगाली जा रही मुलाकातियों की पहचान- संभल बवाल के 27 आरोपी जिला जेल में बंद हैं। इनमें से तीन महिलाएं महिला बैरक में हैं जबकि अन्य आरोपी पुरुष बैरक में रखे गए हैं। सोमवार को सपाइयों ने मुलाकात की थी। जांच कर रहे डीआईजी जेल ने उस दिन की फुटेज भी खंगाली। जिसमें देखा गया है कि कितने लोग मुलाकात करने गए थे। सपा के जिला सचिव मुदस्सिर हुसैन का कहना है कि उन्होंने जेल नियम के मुताबिक मुलाकात की थी। इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। सात सदस्य जेल में गए थे। जिन्होंने प्रार्थना पत्र देकर मुलाकात की मांग की थी। इसमें एक पूर्व सांसद, दो वर्तमान विधायक भी मौजूद थे। इसके अलावा बाकी कार्यकर्ता जेल से बाहर ही मौजूद रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

मिलक अमावती की ग्राम प्रधान गार्गी चौधरी कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार के लिए चयनित

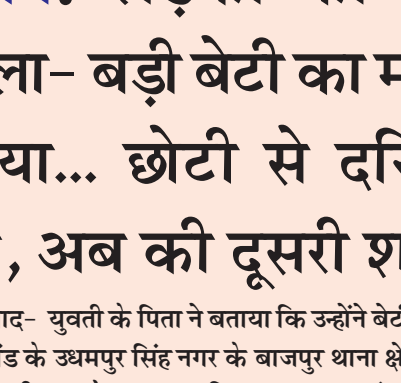

मुरादाबाद- डिलारी विकास खंड की ग्राम पंचायत मिलक अमावती की ग्राम प्रधान गार्गी चौधरी देश की अन्य ग्राम पंचायतों के लिए मिसाल बन गई हैं। गांव में विकास कार्यों के दम पर ग्राम प्रधान गार्गी चौधरी को कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। 11 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में ग्राम प्रधान गार्गी चौधरी को सम्मानित करेंगी। इससे पहले मिलक अमावती को नानाजी देशमुख सर्वोत्तम राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार मिला चुका है। मुरादाबाद जनपद की ग्राम पंचायत मिलक अमावती की महिला प्रधान गार्गी चौधरी ने पूरे देश में अपने प्रदेश, जनपद और मंडल स्तरीय अधिकारियों का सिर भी गर्व से ऊंचा कर दिया। देश की खुशहाली का रास्ता गांव की गलियों से होकर गुजरता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई और गांव को शहर से जोड़ने का जो सपना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देखा था वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है।

होने वाला जीजा बना हैवान: लड़की का पिता बोला- बड़ी बेटी का मंगेतर आया... छोटी से दरिंदगी की, अब की दूसरी शादी

मुरादाबाद- युवती के पिता ने बताया कि उन्होंने बेटी का रिश्ता उत्तराखंड के उधमपुर सिंह नगर के बाजपुर थाना क्षेत्र के बरैनी निवासी जीशान के साथ तय किया था। 26 नवंबर को शादी होनी थी।

लेकिन इससे पहले ही लड़के ने ऐसी घिनौनी हरकत कर दी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे थाना क्षेत्र के एक गांव में निवासी एक व्यक्ति ने अपनी बेटे के मंगेतर समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें आरोप लगाया है कि दहेज में कार न मिलने पर आरोपियों ने रिश्ता तोड़ दिया है। आरोप है कि शादी से दो दिन पहले ही आरोपी युवक घर आ गया और उसने युवती की बहन के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दूसरी लड़की से शादी कर ली।पीड़ित युवती के पिता ने बताया कि उसने अपनी बेटी का रिश्ता उत्तराखंड के उधमपुर सिंह नगर के बाजपुर थाना क्षेत्र के बरैनी निवासी जीशान के साथ तय किया था।

26 नवंबर को शादी होनी थी। शादी से सप्ताह पहले सारा दहेज का सामान दूर होने के कारण ससुराल पहुंचा दिया था। 23 नवंबर को युवक के परिजन घर आए और कार की मांग करने लगे। 24 नवंबर को जीशान भी घर पहुंचा और रात वहां ठहरा था आरोप है कि सभी लोगों के सोने जाने के बाद मंगेतर की छोटी बहन के कमरे घुस गया उसके साथ दुष्कर्म किया। उसे धमकी दी कि घटना के बारे किसी को बताया तो तेरी बहन से रिश्ता तोड़ दूंगा। अगले दिन उसके जाने के बाद उसने अपनी मां को आपबीती बताई। उसे समझा कर समय शांत कर दिया। इस मामले में पंचायत बुलाई उसमें आरोपी के परिजन भी आए लेकिन वह कार की जिद पर अडे रहे। तय तारीख 26 नवंबर को बारात लेकर नहीं आए। पता करने किसी ने बताया कि उसी दिन जीशान की शादी कहीं दूसरी जगह कर दी है। पिता ने बिचौलियों के माध्यम से दहेज में खर्च हुए रुपये और सामान वापस मांगे तो दो दिन बाद देने के आश्वासन के बाद इन्कार कर दिया। एसएचओ आरपी शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर जीशान, रेहान, रियाज, फैजान, आरिफ निवासी बरैनी थाना बाजपुर ऊधमपुर सिंह नगर उत्तराखंड, इसरार निवासी मुस्तफाबाद थाना मिलक खानम रामपुर और यासीन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

रिवर फ्रंट और हस्तशिल्प ग्राम के विकास से मुरादाबाद बनेगा आर्थिक हब

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में सिटी डेवलपमेंट प्लान मुरादाबाद विजन प्लान 2051 का प्रस्तुतिकरण किया गया

मुरादाबाद- मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय सभागार में गुरुवार को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से स्टेक होल्डर विभागों के समन्वय से सिटी डवलपमेंट प्लान का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें प्राधिकरण द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कंसल्टेंसी फर्म के माध्यम से तैयार कराए गए सिटी डेवलपमेंट प्लान की रुपरेखा पर चर्चा की गई। इसमें मेगा फूड पार्क, सेमी कंडक्टर पार्क, मुरादाबाद सिटी सेन्टर, आयुष पार्क, हस्तशिल्प ग्राम, रेलवे स्टेशन री-डवलपमेंट प्लान, मेगा टाउनशिप प्लान, नॉलेज सिटी, रिवर फ्रन्ट के विकास का खाका सामने रखा गया। इनके माध्यम से पीतल नगरी उभरता हुआ वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब बनेगा। फर्म के प्रतिनिधि ने मंडलायुक्त और अन्य अधिकारियों को मुरादाबाद विकास प्लान 2051 को प्रस्तुत कर इसके प्रोजेक्ट मूवमेंट के बारे में विस्तार से बताया। विजन प्लान 2051 के अन्तर्गत सेन्टर, आयुष पार्क, हस्तशिल्प ग्राम, रेलवे स्टेशन री-स्पोर्टस काम्प्लेक्स, मल्टीलेवल पार्किंग, रिवर फ्रन्ट का इत्यादि के विकास संबंधी परियोजनाओं से पीतल नगरी विकसित हो जाएगी। मंडलायुक्त ने कहा कि विजन प्लान किया जाए। दुग्ध डेयरी के लिए किसानों को बेहतर मुरादाबाद की संस्कृति को समाहित करते हुए हस्तशिल्प को भी जोड़ा जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि महानगर की से योजनाओं को प्लान किया जाए। इसके लिए संबंधित समन्वय बनाकर मुरादाबाद विकास प्लान 2051 पर मुरादाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष शैलेश कुमार, सुमित यादव, संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार, एसपी और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।यह है मुख्य आकर्षित करना और स्थानीय कारीगरों को नए अवसर कौशल विकास केंद्र, सिटी सेंटर, बायो-फ्यूल अन्तर्गत सिटी कोर क्षेत्र में भीड़ को कम कर सार्वजनिक लिए सड़कों का चौड़ीकरण और चौराहों का सुधार फिर से विकास करने के साथ ही इंटर स्टेट बस टर्मिनल

लाइट परियोजना चलेगी।. जीवन स्तर में सुधार के लिए पर्यावरण सुधार, हरित क्षेत्र और सामाजिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। नया मुरादाबाद योजना के पूर्व में मेगा टाउनशिप, मेडी-सिटी, नॉलेज सिटी, स्पोर्ट्स-काम्प्लेक्स, रामगंगा और गागन नदी पर रिवर फ्रंट विकास परियोजना. प्रस्तावित बसंतपुर रामराय में इको-टूरिज्म पार्क, रामपुर रोड स्थित जीरो पॉइंट के पास बनेगा रिक्रेशनल हब. बुनियादी ढांचे का उन्नयन- जल, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पॉवर एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा और हरित ऊर्जा परियोजनाओं को प्राथमिकता देना।. मुरादाबाद को एक वैश्विक कारीगर केंद्र के रूप में पहचान मिलेगी.महानगर में पर्यावरणीय संरक्षण और हरित ऊर्जा के प्रयोग को मिलेगा बढ़ावा.नई औद्योगिक परियोजनाओं और कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से होगी रोजगार में वृद्धि नागरिकों के जीवनशैली में होगा गुणवत्तापरक सुधार-पहले चरण में मुरादाबाद महायोजना -2031 के भू-प्रयोग के आधार पर चिह्नित परियोजनाओं में इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग, धातुशिल्प सेवा केंद्र, स्काडा आधारित जलापूर्ति प्रणाली, स्काडा आधारित आईटी अवस्थापना और स्काडा मीटरिंग, प्रमुख चौराहों के सुधार तथा महायोजना सड़कों का निर्माण है शामिल.सिटी डेवलेपमेंट प्लान (सीडीपी) की मुख्य बातें.मुरादाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय कन्सलटेंसी फर्म के माध्यम से तैयार कराया गया सिटी डेवलपमेंट प्लान.सिटी डेवलपमेंट प्लान का मुख्य उद्देश्य मुरादाबाद को पीतल नगरी से एक उभरते हुए वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब में बदलना.योजना उत्तर प्रदेश को 2027 तक 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने में देगी महत्वपूर्ण योगदान-तीन चरणों में चिह्नित की गई हैं परियोजनाएं.लघु अवधि (2021-31) में शामिल हुईं 18000 करोड़ पूंजीगत व्यय की 45 परियोजनाएं मध्यम अवधि (2031-41) में 13000 करोड़ पूंजीगत व्यय की 27 परियोजनाएं हैं शामिल दीर्घ अवधि (2041-51) में शामिल हैं 11000 करोड़ पूंजीगत व्यय की 15 परियोजनाएं सर्वाधिक एमडीए का होना है 10000 करोड़ का पूंजीगत व्यय, दूसरे व तीसरे नंबर पर है नगर निगम और जल निगम मेगा फूड पार्क, सेमी कंडक्टर पार्क, मुरादाबाद सिटी डवलपमेंट प्लान, मेगा टाउनशिप प्लान, नॉलेज सिटी, विकास, ईको टूरिज्म पार्क, सीवेज सिस्टम, मेडिसिटी एक उभरते हुए वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में के अन्तर्गत महानगर में सभी जलाशयों को सुरक्षित इंन्फ्रास्टक्चर उपलब्ध कराया जाए। इन योजनाओं में ग्राम से मंडल के अन्य जिलों के हस्तशिल्प उत्पादों आबादी और लोगों की जरूरतों और सुरक्षा के हिसाब विभाग, एमडीए और फर्म आपसी संवाद और कार्य करें। बैठक में जिलाधिकारी अनुज सिंह, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल, मुख्य विकास अधिकारी सिटी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी परियोजनाओं का उद्देश्य-नए आर्थिक क्षेत्रों में निवेश प्रदान करना। बनेंगे मेगाफूड पार्क, सेमी-कंडक्टर, प्रसंस्करण केंद्र और आयुष पाक.'परिवहन सुधार के परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाया जाएगा। इसके होगा। मल्टी-लेवल पार्किंग बनेगी। रेलवे स्टेशन का (आईएसबीटी) बनेगा। सार्वजनिक ई-बसें और मेट्रो

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हक की बात जिलाधिकारी के साथ

मूकबधिर बालिका के खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुये जिलाधिकारी ने 20,000 रूपये का दिया पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत ''हक की बात जिलाधिकारी के साथ'' कार्यक्रम एवं वीरांगना सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद में ऐसी महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने समाज में बेहतर कार्य किये जाने के साथ ही समाज में वीरांगना के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी है, जिनको जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें बालिका प्रियांशी ने शतरंज में राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है, रिया गंगवार ने जनपद बरेली में कक्षा-12 में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रिधिम शर्मा जो कि मूकबधिर बालिका है उन्होंने अपनी कमियों को दरकिनार करते हुए 400 मीटर दौड़, बाधा दौड़ में फरवरी 2023 में इंदौर में गोल्ड मेडल जीता तथा वर्ष 2024 में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया में 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मैडल की विजेता रही हैं रिधिम शर्मा की प्रतिभा को देखते हुए उसके उत्साहवर्धन हेतु जिलाधिकारी द्वारा मौके पर 20,000 रूपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप दी गयी। इसके अतिरिक्त अन्य 10 महिलाओं एवं बालिकाओं को बेहतर कार्य हेतु जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त मैथोडिस्ट इण्टर कॉलेज बरेली की बालिकाओं ने उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, जिसमें एक बालिका ने जिलाधिकारी से आई0ए0एस0 बनने हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा बालिका को प्रोत्साहित करते हुए अवगत कराया गया कि आप अपने 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम के अनुसार पूरी निष्ठा एवं लगन से मेहनत कर भविष्य में अपना नाम रोशन कर सकती हैं। हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम में कुल 10 शिकायतें (स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रवर्तकता कार्यक्रम) की प्राप्त हुई, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा तत्काल सम्बन्धित विभाग को निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना(सामान्य), बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के विषय में विस्तृत जानकारी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक (अपराध) मुकेश प्रताप, नगर मजिस्ट्रेट राजीव शुक्ला, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, केन्द्र प्रशासक वन स्टॉप सेंटर चंचल गंगवार सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।।

मृतक को जीवित दिखा एक करोड़ 75 लाख में जमीन का सौदा किया 50 लाख एडवांस लेने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के फरीदापुर की बेशकीमती जमीन के कूटरचित अभिलेख तैयार कर मृतक व्यक्ति संतोष टंडन को जीवित के रूप में दिखाकर धोखाधड़ी कर जमीन एग्रीमेन्ट कर 50 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के तीन शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक ने प्रेसवार्ता कर बताया कि 23 नवम्बर को जनकपुरी आवास विकास बरेली की रहने वाली प्रियंका टंडन पुत्री दिवंगत संतोष टंडन द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि उनके पिता की मृत्यु वर्ष 2003 में हो जाने के बाद भू-माफियाओं नें षड़यंत्र रचकर उनके पिता मृतक संतोष कुमार टंडन के रूप में एक व्यक्ति को उपस्थित कराकर उसे संतोष कुमार टंडन बताते हुए संतोष टंडन नाम से कूटरचित अभिलेख तैयार कर जमीन का फर्जी एग्रीमेन्ट आदि करा लेने के संबंध में मुकदमा नन्हे अहमद और अन्य आठ लोगों के विरुद्ध दर्ज कराया गया एवं संबंधित मामले में 23 नवम्बर 2024 को ही एक मुकदमा पीलीभीत के रहने वाले व्यापारी अर्पित कुमार अग्रवाल पुत्र अजय अग्रवाल यह आरोप लगाकर कि नन्हे अहमद, बब्लू कश्यप, ख्वाजुद्दीन सहित आठ लोगों द्वारा संतोष टंडन जिनकी मृत्यु हो गयी है उनके स्थान पर नकली संतोष टंडन बनाकर अभिलेखों में कूट रचना कर फर्जी एग्रीमेन्ट कर 50 लाख रुपये लेने के संबंध में थाना इज्जतनगर में नन्हे अहमद सहित आठ लोगों के विरुद्ध पंजीकृत कराया गया। उक्त दोनों घटनाओं की गम्भीरता को देखते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य द्वारा उक्त दोनों अभियोगों में तत्परता से साक्ष्य सकलंन कर अभियुक्तगण के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे, जिसके क्रम में घटना में शामिल संलिप्त तथा नकली संतोष टंडन बनने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। शेष घटना में शामिल अभियुक्तगण को भी साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार कर किया जायेगा। पुलिस द्वारा शुक्रवार को जो तीन आरोपियों को पकड़कर जेल भेजा गया उनमें बब्लू कश्यप पुत्र कुन्दनलाल निवासी ग्राम मथुरापुर थाना सीबीगंज जिला बरेली,ख्वाजुद्दीन पुत्र फईमउद्दीन निवासी ग्राम तिलियापुर थाना सीबीगंज जिला बरेली,राजू उर्फ राजदीप पुत्र सतीशचन्द निवासी सहजनपुर हेतराम थाना भुता जिला बरेली जिसमें नकली संतोष टंडन की भूमिका बखूबी निभाई। पकड़े गए आरोपीयों ने बताया कि गणेशीलाल निवासी खतरियान बिहारीपुर के तीन लडके संतोष टंडन, विजय टंडन एवं किशन टंडन थे, जिसमें संतोष टंडन की वर्ष 2003, विजय टंडन वर्ष 2024 व किशन टंडन की वर्ष 2015 में मृत्यु हो चुकी हैं। तीनों भाई अलग-अलग स्थानों पर रहते थे । विजय टंडन व किशन टंडन का आधार कार्ड तो बना था, किन्तु संतोष टंडन का आधार कार्ड नहीं बना था । उक्त तीनों भाईयों के नाम से एक जमीन जो ग्राम फरीदापुर चौधरी में अभिलेखों में अंकित थी, किन्तु उक्त जमीन को उन्होंने बेच दिया था, लेकिन अभिलेखों में अभी भी नाम तीनों भाईयों का ही चल रहा था। इस बात की जानकारी नन्हे, बब्लू कश्यप उर्फ प्रधान तथा ख्वाजुद्दीन को थी और यह भी जानकारी थी कि यह जमीन काफी महंगी एवं बेसकीमती है तो अभियुक्तों द्वारा शातिर दिमाग चलाते हुए सबसे पहले उक्त जमीन में किशन टंडन की मृत्यु दिखाकर तहसील से उक्त जमीन पर नाम संतोष टंडन व विजय टंडन के नाम से संयुक्त रूप से कराया और फिर बाद में विजय टंडन से पावर ऑफ अटरनी संतोष टंडन के नाम से करा दिया। इस प्रकार उक्त बेसकीमती जमीन संतोष टंडन के नाम पर आ गयी। अभियुक्तों द्वारा एक व्यक्ति जिसका नाम राजू उर्फ राजदीप को मृतक संतोष टंडन के स्थान पर संतोष टंडन के रूप में प्रयोजित करते हुए संतोष टंडन का आधार कार्ड बनवाया एवं उसी आधार कार्ड के आधार पर बैंक में खाता एवं पैन कार्ड आदि भी बनवा लिया। आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता एवं जमीन के राजस्व अभिलेख के आधार पर इन्होंने फर्जी तरीके से उक्त बेसकीमती जमीन का रजिस्ट्रड एग्रीमेन्ट एक करोड़ करोड़ 75 लाख रुपये में कर दिया और बयाना के रूप में 50 लाख रुपये आरोपियों ने लिए। जब इस बात की जानकारी संतोष टंडन की पुत्री प्रियंका टंडन को हुई तो उन्होंने जिन लोगों ने रजिस्ट्रड बैनामा कराया था, उन्होंने उनके खिलाफ थाना इज्जतनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना इज्जतनगर प्रभारी निरीक्षक धनंन्जय कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक जावेद अली, मुख्य आरक्षी आशीष,मोहम्मद असलम, आरक्षी चालक विनीत शामिल रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी संतराम कुशवाहा ने एक वारण्टी को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) कोतवाली की खेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक संतराम कुशवाहा अपने हमराही सिपाही के साथ मुकदमा अपराध संख्या 12/ 91 धाथा 380 ,411 आईपीसी के अभियुक्त जो लगभग तीस वर्षों से घर पर नहीं रह रहा था जिसके विरुद्ध न्यायालय द्वारा एन वी डब्लू और 82 सीआरपीसी नोटिस जारी हुआ था अभियुक्त रईस पुत्र कमालुद्दीन निवासी जयप्रकाश नगर थाना कोंच जनपद जालौन को गिरफ्तार किया गया बताया गया वह काफी समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ कोर्ट द्वारा वारन्ट जारी हुआ था

भारतीय संविधान के जनक डॉ. बीआर अंबेडकर को कंपोजिट विद्यालय जोगीठेर में याद किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर जिन्हें बाबा साहेब भी कहा जाता है के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर यानी शुक्रवार को कंपोजिट विद्यालय जोगीठेर में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई, इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक लाल बहादुर गंगवार ने कहा कि बाबा साहेब एक भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिक व्यक्ति थे, जिन्होंने संविधान सभा में चर्चा के आधार पर भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की पहली कैबिनेट में कानून और न्याय मंत्री का पद भी संभाला और हिंदू धर्म त्यागने के बाद दलित बौद्ध आंदोलन के लिए प्रेरणास्त्रोत के रूप में कार्य किया। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक रमेश सागर ने परिनिर्वाण दिवस का अर्थ बताते हुए छात्र-छात्राओं को बताया कि परिनिर्वाण की स्थिति बौद्ध धर्म की मूलभूत अवधारणाओं में से एक है। यह उस व्यक्ति को दर्शाता है जिसने अपने जीवनकाल में और मृत्यु के बाद निर्वाण या स्वतंत्रता प्राप्त कर ली हो। संस्कृत में परिनिर्वाण कहा जाता है।

फड़ पटरी वालों का आरोप बिना नोटिस दिए हमारा रोजगार छीनने में लगा नगर निगम प्रशासन

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद सदर कोतवाली क्षेत्र टाउन हॉल फड़ पटरी वालों का आरोप है हम यहां बरसों से बाजार लगाते आ रहे हैं लेकिन अब यहां नगर निगम प्रशासन अतिक्रमण के नाम पर हमारा रोजगार छीनने में लगा है उनका कहना है कि आज नगर निगम की टीम यहां बाजार में आई थी और बुलडोजर चला कर हमारी जगह पर खुदाई करना शुरू कर दी आरोप है की जब इस संबंध में उन्होंने वार्ता की तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया बता दें कि गरीब तत्व के लोगों ने जब ये बात पूछी हमें किस लिए यहां ये हटाया जा रहा है और यहां खुदाई क्यों की जा रही है या कोई बेंडिंग जॉन बनाया जा रहा है लेकिन नगर निगम प्रशासन ने कुछ नहीं बताया और खुदाई करके वहा से चला गया सभी दुकानदारों का आरोप है की बिना नोटिस के हम सभी को हटाया गया है आरोप है नगर निगम प्रशासन अतिक्रमण के नाम पर हमें परेशान कर रहा है फड़ पटरी वालों का यह भी आरोप है कि हम कुछ दुकानदार कुछ ऐसे भी थे जो नगर निगम के उत्पीड़न को सहते सहते यह दुनिया छोड़कर चले गए अब हम सिर्फ 35 ही दुकानदार बचे हैं लेकिन नगर निगम प्रशासन अपनी मनमानी करने से पीछे नहीं हट रहा और हमारी रोजी रोटी छीनने में लगा है फड़ पटरी बालो का ये भी कहना है की हमने नगर निगम की टीम से पूछा कि आपके पास कोई आदेश या नोटिस आया है तो हमे दिखाओ लेकिन नगर निगम प्रशासन हमसे यह कहकर निकल जाता है कि हमारे पास सरकार की तरफ से आदेश हैसभी को हटाया जाए आरोप है की नगर निगम प्रशासन अब सिर्फ सरकार को बदनाम करने की साजिश में लगा है फड़ पटरी बोले कि सरकार का ये कहना है कि पहले गरीबों को रहने की जगह दें फिर उनको वहां से हटाया जाए फिलहाल टाउन हॉल के सभी फड़ पटरी वाले लोग इस संबंध में शिकायत करने के लिए नगर आयुक्त के पास अपनी समस्या का समाधान को लेकर कई बार मिल चुके हैं लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर सभी फड़ पटरी वाले लोगो ने नगर विधायक से वार्तालाप की है उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में जल्द ही वार्तालाप की जाएगी अब देखने वाली बात यह होगी इन सभी फड़ पटरी वालों को वहां से हटाया जाएगा अगर इनको बहा से हटाया जाएगा तो क्या उनके परिवार का पालन पोषण करेगा नगर निगम यह सोचने की बात है

सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल मे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन सिल्वर बेल्स के प्रांगण में बडे हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व दृष्टिकोण उत्पन्न करना,विज्ञान के विभिन्न पहुलओं का विश्लेषण करने हेतु एक अवसर/ मंच प्रदान करना, विद्यार्थियों के मध्य समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, कुरीतियों, अवैज्ञानिक धारणाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करने हेतु अवसर प्रदान करना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ साथ विद्यार्थियों को समृद्ध बनाने हेतु ही जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी 2024 का भव्य आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत माध्यमिक एवं सीऽबीऽएस• ईऽ के लगभग 40 विद्यालयों से कक्षा 9 से कक्षा 12 के विद्यार्थियो द्वारा लगभग 100 विज्ञान मॉडलो का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री विनय कुमार तिवारी मुख्य विकास अधिकारी,विशिष्ट अतिथि जेऽएसऽशाक्य जिला विद्यालय निरीक्षक, विशिष्ट सहयोगी डॉ अमित मालिक जी प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज कंडेला, श्रीमती रेणु देवी जी समन्वयक, आदि के साथ साथ सिल्वर बेल्स प्रबंधन समिति,प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण कुमार गोयल, उप प्रधानाचार्या श्रीमती तूलिका गोयल व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में होने वाले इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथियो द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सिल्वर बेल्स छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना गायन व गणेश वंदना पर एक शानदार नृत्य प्रस्तुति के साथ किया गया। उसके बाद भिन्न भिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियो व उनके शिक्षकों ने अपने अपने मॉडलों को प्रस्तुत कर उनके बारे में अपने विचार रखते हुए उन्हें परिभाषित किया। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में कुछ मुख्य विषयों जैसे- ड्रोन टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, सेंसर टेक्नोलॉजी, बायो एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग , इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT), ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स वाहन, चार्जिंग स्टेशन आदि विषयों की प्रधानता रही। इस भव्य कार्यक्रम में सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल शामली। सत्यनारायण इंटर कॉलेज शामली ।हिंदू कन्या इंटर कॉलेज शामली। देवी उमरा कौर इंटर कॉलेज बनत,शामली। जैन कन्या इंटर कॉलेज शामली आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया ।जिसमें भिन्न-भिन्न विद्यालयों से आए छात्रो के साथ उनके शिक्षकों का भी योगदान रहा। प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियो में से प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार एवं दो सांत्वना पुरस्कार देने हेतु चयनित किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय चयनित विजेता को क्रमश: M¤•- 5,000/- . M¤•- 3,000/-, रूऽ- 2,000/- एवं दो सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक को रूऽ- 1,000/- का नगद पुरस्कार दिया जायेगा ।प्रतियोगिता में विजेता छात्र -1. सौम्यता मित्तल व युवराज रोहल, सिल्वर Bells शामली। 2.पलक व राधिका, स्कॉटिश शामली। 3 रहमान, आरएसएस इंटर कॉलेज। सांत्वना पुरस्कार 1. गीत तोमर व ईशा शर्मा, वेदान्तम,अभिनव, सत्यनारायण इंटर कॉलेज शामली। अंत में मुख्य अतिथि गण व प्रबंधन समिति ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत (मेडल, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह) प्रदान कर अपने विचारों से सभी विजेताओ व प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और सदैव आगे बढ़ने की शुभकामनाएं देने के साथ - साथ सभी को आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

ककरहटी लगातार हो रहा उपेक्षा का शिकार धान उपार्जन केंद्र न बनने से बड़ी चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच -घनश्याम प्रसाद शर्मा

एक तरफ जहां जिले में धान उपार्जन केंद्र 2 दिसंबर से प्रारंभ कर दिए गए है वहीं दूसरी तरफ ककरहटी की पैक्स गोदाम में सन्नाटा पसरा है ककरहटी क्षेत्र के हजारों किसानो ने दिन रात मेहनत करके अपनी धान की फसल तैयार की अब इसे बिक्रय करने के लिए परेशान हैं। आखिर धान बेचने वह कहां जाएं किसानों जिले में सबसे अधिक धान की पैदावार से निरंतर धान उपार्जन केन्द्र बनाया जाता रहा बनाया गया है। पिछले साल 68 हजार कुंटल गई थी प्रत्येक वर्ष लगभग 40-50 हजार कुंटल भी जिला उपार्जन समिति के अध्यक्ष महोदय है। ककरहटी में केंद्र नहीं बनाए जाने से देवरीगढ़ी, रनवाहा, देवरी, मखरा ,समाना, सरहजा, मथुरापुर, घटारी, बिल्हा, अमचुई, सकरिया, हनुमतपुरा,हिनोता ढेडा, भटकवा उड़की आदि दर्जनों गांवों के किसानों को अपनी धान की उपज विक्रय करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा क्षेत्र के किसान निरंतर कलेक्टर पन्ना से यह मांग कर रहे हैं कि शीघ्र ककरहटी में धान उपार्जन केन्द्रबनाया जाए ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

ग्राम पंचायत दुर्गापुर में आयोजित हुआ जिला स्तरीय समाधान शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- विकासखण्ड प्रेमनगर के ग्राम पंचायत दुर्गापुर में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को उनके गांव में ही निराकृत करने के उद्देश्य से जनपद स्तर के ग्रामों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत जनपदों के ग्राम स्तर के शिविर में आवेदन प्राप्त किए जाते है। साथ ही शिविर में आए लोगों की समस्याओं को सुनते हुए उनके आवेदन का निराकरण किया जाता है। आयोजित शिविर में 200 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया है। शिविर में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ताकि उन क्षेत्रों में जाकर उनकी समस्याओं को जानने के साथ ही उसे निराकृत किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य यही है कि शासन- प्रशासन के सभी विभागों को एक जगह उपस्थित होकर आम लोगों की समस्या, जरूरत, मांग को यथा समय समाधान किया जाए ताकि जरूरतमंद व पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों का वर्णन भी किया और सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त बनाने के सहयोग की अपील की। आयोजित शिविर में जिला पंचायत सीईओ ने लोंगो को संबोधित करते हुए कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से आज यहां जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद है। उन्होंने नागरिकों से अपनी समस्याओं मांग को लेकर आवेदन करने और उसका निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों से कहा। उन्होंने कहा कि शिविर में विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल लगाए गए है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु आग्रह किया। इस अवसर पर श्री अजय श्याम, श्रीमती शिंगारो बाई, श्री जगमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू व अन्य संबंधित अधिकारीगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

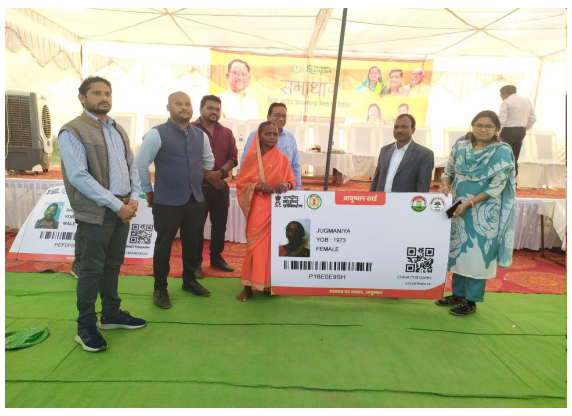

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के गांव मढौली निवासी 21 वर्षीय दीनानाथ उर्फ दीपक पुत्र रामसेवक की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह की है जब दीपक साइकिल से परसाखेड़ा स्थित कोका-कोला फैक्ट्री में काम करने जा रहे थे।टीयुलिया अंडरपास के पास रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया है। मृतक की जेब में मिले कागजात के आधार पर परिजनों को सूचना दी गई। दीपक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की मां चंद्रावती का रो-रोकर बुरा हाल है। दीनानाथ चार भाइयों में सबसे छोटे था और प्राइवेट नौकरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते था। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस दुखद घटना से गांव में भी शोक का माहौल व्याप्त है।

विकासखंड कांधला के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय कीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कांधला विकासखंड कांधला के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम पंजोखरा में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉक्टर विनोद मलिक ब्लॉक प्रमुख कांधला, श्री अंशुल चौहान जिला दिव्यांगजन अधिकारी शामली, खंड शिक्षा अधिकारी कांधला डॉक्टर सविता, जिला समन्वक अमित कुमार, जिला समन्वयक राहुल कुमार, जिला व्यायाम शिक्षक सचिन चौहान द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं ध्वजारोहणकर किया गया। सर्वप्रथम उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी श्याम की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में आयान जूनियर हाई स्कूल भाभीसा, 200 मीटर दौड़ में खुशी कंपोजिट विद्यालय डांगरोल, 400 मीटर दौड़ में निखिल डांगरोल, राशि वार्षिक 600 मीटर दौड़ में राशि कंपोजिट विद्यालय बारसी, लंबी कूद में छवि भारती, ऊंची कूद में निखिलडांगरोल, खो खो बालक वर्ग में कंपोजिट विद्यालय हरमंजपुर, कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर के बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य रूप से संदीप कुमार, अजय तोमर, कुलबीर चौहान, विनय चौहान, परमेंद्र कुमार, डॉ धर्मेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार, विवेक कुमार, राजेंद्र कुमार, दुर्गेश कुमार, राजीव मलिक, संगीता कुमारी, रेनू लता, अजय मलिक, नीरू नयन, पूनम तोमर, विवेक वर्मा, और रामकुमार, आनंदपाल, संजीव कुमार, आदि अध्यापकों का सहयोग रहा। प्रतियोगिता का संचालन श्री परविंदर कुमार ने किया।

आईडीबीआई बैंक राजेंद्र नगर शाखा का हुआ भव्य उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली ।राजेंद्र नगर में आईडीबीआई की शाखा का भव्य उद्घाटन हुआ। इस समारोह उद्घाटन में मेयर डॉ उमेश गौतम ने फीता काटकर उद्घाटन किया ।इस दौरान मेयर डा उमेश गौतम ने कहां की बैंक कि शीघ्र अन्य शाखाएं महानगर में शुरू होगी इससे शहर में तरक्की के रास्ते खुलेंगे व्यापारियों को और शहर की जनता को आसानी होगी। बैंकिंग क्षेत्र में बरेली शहर लगातार तरक्की कर रहा है। ? इस उपलक्ष पर लखनऊ आंचलिक कार्यालय से आए डिप्टी जोनल हेड जनरल मैनेजर अनंत पांडे उपस्थित रहे । उन्होंने बताया की बरेली में उपर्युक्त शाखा ग्राहकों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है ।इसमें ग्राहकों के लिए विभिन्न तरह के ऋण सुविधाएं जैसे होम लोन, ऑटो लोन, बिजनेस लोन एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ ग्राहक उठा पाएंगे ।इस भव्य समारोह में एलआईसी के एसडीएम मनोज कुमार प्रभाकर, उपनिदेशक पर्यटन विभाग बीपी सिंह एवं मुरादाबाद क्षेत्रीय कार्यालय से आए वरिष्ठ रीजनल हेड जनरल मैनेजर समीर कुमार,अंकुर गंगवार अमित मिश्रा, शैलेश यादव, शाखा प्रमुख शार्दुल पथनिया आदि शाखा के उद्घाटन में मुख्य भूमिका निभाई एवं शाखा के उद्घाटन के मौके पर विभिन्न गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे और उन्होंने शाखा के उज्जवल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

महंगई धान खरीदी केंद्र के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर, धान की गुणवत्ता, तौल और भराई की लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने आज प्रेमनगर विकासखंड अंतर्गत धान खरीदी केंद्र महंगई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी, धान की गुणवत्ता, तौल व भराई की लिया जायजा। उन्होंने धान बेचने आए कृषक बंधुओं से व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया और समिति के प्रबंधक को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर ने किसानों को माईक्रो एटीएम के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपकी सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्र में माईक्रो एटीएम उपलब्ध है जिससे आप दस हजार की राशि निकाल सकते है। उन्होंने खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उपस्थित संबंधितों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसानों में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और सुविधाओं पर किसी तरह की भ्रम की स्थिति ना हो। उन्होंने धान खरीदी में किसी भी लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धान खरीदी में शासन के निर्देशानुसार सभी व्यवस्था करते हुए धान खरीदी कार्य सुचारु रूप से संपन्न करने के निर्देश दिए।

सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल मे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित ꠹जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी꠹ का भव्य आयोजन सिल्वर बेल्स के प्रांगण में बडे हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व दृष्टिकोण उत्पन्न करना,विज्ञान के विभिन्न पहुलओं का विश्लेषण करने हेतु एक अवसर/ मंच प्रदान करना, विद्यार्थियों के मध्य समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, कुरीतियों, अवैज्ञानिक धारणाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करने हेतु अवसर प्रदान करना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ साथ विद्यार्थियों को समृद्ध बनाने हेतु ही जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी 2024꠹ का भव्य आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत माध्यमिक एवं सीज़ बीज़ एसज़ ईज़ के लगभग 40 विद्यालयों से कक्षा 9 से कक्षा 12 के विद्यार्थियो द्वारा लगभग 100 विज्ञान मॉडलो का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री विनय कुमार तिवारी मुख्य विकास अधिकारी,विशिष्ट अतिथि जेज़ एसज़ शाक्य जिला विद्यालय निरीक्षक, विशिष्ट सहयोगी डॉ अमित मालिक जी प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज कंडेला, श्रीमती रेणु देवी जी समन्वयक, आदि के साथ साथ सिल्वर बेल्स प्रबंधन समिति,प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण कुमार गोयल, उप प्रधानाचार्या श्रीमती तूलिका गोयल व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में होने वाले इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथियो द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सिल्वर बेल्स छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना गायन व गणेश वंदना पर एक शानदार नृत्य प्रस्तुति के साथ किया गया। उसके बाद भिन्न भिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियो व उनके शिक्षकों ने अपने अपने मॉडलों को प्रस्तुत कर उनके बारे में अपने विचार रखते हुए उन्हें परिभाषित किया। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में कुछ मुख्य विषयों जैसे- ड्रोन टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, सेंसर टेक्नोलॉजी, बायो एनर्जी,आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग , इंटरनेट ऑफ थिंग्स (꠸꠹꠺), ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स वाहन, चार्जिंग स्टेशन आदि विषयों की प्रधानता रही। इस भव्य कार्यक्रम में सिल्वर बेल्स पब्लिक स्कूल शामली। सत्यनारायण इंटर कॉलेज शामली ।हिंदू कन्या इंटर कॉलेज शामली। देवी उमरा कौर इंटर कॉलेज बनत,शामली। जैन कन्या इंटर कॉलेज शामली आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया ।जिसमें भिन्न-भिन्न विद्यालयों से आए छात्रो के साथ उनके शिक्षकों का भी योगदान रहा ।प्रदर्शनी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियो में से प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार एवं दो सांत्वना पुरस्कार देने हेतु चयनित किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय चयनित विजेता को क्रमश: रूज़- 5,000/-. रूज़- 3,000/-, रूज़- 2,000/- एवं दो सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक को रूज़-1,000/- का नगद पुरस्कार दिया जायेगा ।प्रतियोगिता में विजेता छात्र -1. सौम्यता मित्तल व युवराज रोहल, सिल्वर ꠸꠹꠺꠻꠼ शामली। 2.पलक व राधिका, स्कॉटिश शामली।

मूलभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए किया जा रहा विशेष शिविरों का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों में पंडो जनजाति का नाम प्रमुखता से आता है। यह जनजाति राज्य के दूर-दराज इलाकों में निवास करती है, जहां मूलभूत सुविधाओं का आभाव और शासन की योजनाओं तक पहुंच की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। इस समस्या का समाधान करने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पंडो जनजाति को मूलभूत सुविधाओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन संपूर्णता अभियान के तहत प्रत्येक बुधवार को किया जा रहा है, जो कि उनकी विकास यात्रा में एक निर्णायक पहल साबित हो रही है। इन शिविरों के आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का समर्पण और दृष्टिकोण को देखा जा सकता है। वे सदैव समाज के सबसे पिछड़े और हाशिए पर खड़े समुदायों के विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उनकी यह मान्यता है कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सुविधा मिलनी चाहिए, चाहे वह किसी भी भौगोलिक स्थिति में क्यों न हो। इसी आधार पर उनके द्वारा पंडो जनजाति जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने के लिए उनके द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि इन समुदायों का समुचित विकास हो सके और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके। इसी क्रम में पंडो जनजाति के विकास की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए जिले के विभिन्न ग्राम पंचायत भवनों में विशेष शिविरों का आयोजन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि पंडो जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं का संपूर्ण लाभ पहुंचाया जा सके। इन विशेष शिविरों का आयोजन इनके विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। विशेष को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इन शिविरों विभिन्न ग्राम पंचायत भवनों में किया जाएगा। इसके तहत जानकारी एकत्रित कर उनकी आवश्यकता और उपलब्ध द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इन पंडो परिवारों प्रतिशत संतृप्त करने के लिए शिविरों का रोस्टर और गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें तिथियों योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शिविरों के जयवर्धन ने विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को द्वारा अद्यतन जानकारी परियोजना प्रशासक व एकीकृत उपलब्ध कराई जाती है। इस वर्ग के विकास के लिए जिला परियोजना के अधिकारी समन्वय में कार्य कर रहे हैं। हर निभाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विकास की यह प्रक्रिया आदिवासी वर्ग के जीवन स्तर में निरंतर सुधार आ रहा है। शिक्षा, रोजगार, आवास और आर्थिक सहायता की

शिविरों के द्वारा इस जनजाति के प्रत्येक परिवार का आयोजन 18 दिसंबर 2024 तक जिले के हर परिवार का सर्वेक्षण कर पंडो परिवार की सुविधाओं का आकलन के बाद, संबंधित विभागों को मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं से शत-कार्ययोजना बनाई गई है। रोस्टर के अनुसार, प्रत्येक का निर्धारण कर जनजाति के लोगों को सरकारी सफल क्रियान्वयन के लिए, कलेक्टर श्री एस जिम्मेदारियां सौंपी हैं। सभी विभाग के अधिकारियों आदिवासी विकास परियोजना सूरजपुर को प्रशासन, जनपद पंचायत, और आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी को अपनी जिम्मेदारियों को निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके। इस पहल से इस शिविरों के आयोजन से पंडो जनजाति को स्वास्थ्य, योजनाओं का लाभ विशेष शिविरों के माध्यम से उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इन शिविरों में जिन योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है, उनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पंडो जनजाति के परिवारों को पक्के मकान, स्वास्थ्य बीमा, मुफ्त गैस कनेक्शन, शौचालय निर्माण और सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासन एवं प्रशासन के इस प्रयास की सराहना पंडो जनजाति और स्थानीय समुदाय के लोगों द्वारा निरंतर की जा रही है। पहले जहां इन जनजातियों को मूलभूत सुविधाओं की कमी और योजनाओं से वंचित रहने की शिकायत थी, वहीं अब इन शिविरों के माध्यम से उन्हें उनका हक मिल रहा है। कई पंडो परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए हैं कि कैसे इन योजनाओं के कारण उनके जीवन में बदलाव आया है।

इस योजना के संबंध में एक स्थानीय पंडो निवासी, रामेश्वर पंडो, ने बताया, पहले हमें शासन की योजनाओं के बारे में बेहतर रूप में जानकारी नहीं मिल पाती थी, और न ही हमें पूरी तरह से उनको लाभ मिल पाता था। लेकिन अब विशेष शिविरों के माध्यम से हमें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हमारे परिवार को आवास योजना का लाभ मिला है, और हमें स्वास्थ्य बीमा भी मिला है। इससे हमारे जीवन में काफी सुधार हुआ है।

गौरतलब है कि इस संपूर्णता अभियान अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर, भैयाथान, ओडगी और प्रतापपुर के ग्रामों में निवासरत विषेष पिछड़ी जनजाति पंडो को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने एवं संतृप्तिकरण प्राप्त करने की दिशा में निरंतर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत परिवार के मुखिया आधारित योजनाओं को देखा जाए तो विभिन्न ग्राम पंचायतों में 124 शिविर का अयोंजन कर 82 घरों में विद्युतीकरण, 184 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, 72 शौचालय, 118 का मनरेगा जॉब कार्ड, 209 को उज्जवला गैस कनेक्षन, 389 को किसान क्रेडिट कार्ड, 250 को पीएम किसान सम्मान निधि एवं 73 घरों में हर घर नल से जल की सुविधा प्रदान की गई।

इसके अलावा व्यक्तिगत आधारित योजनाएं को देखा जाए तो 191 हितग्राहियों का जाति प्रमाण पत्र, 322 का आधार कार्ड, 393 का राषन कार्ड, 99 को वोटर कार्ड, 116 को पेंषन, 243 स्व सहायता समूह गठन, 16 हितग्राहियों को वनधन केंद्र आजीविका, 44 का कौषल विकास, 583 हितग्राहियों का श्रम विभाग में पंजीकरण, 347 को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, 113 को प्रधानमंत्री पोषण योजना, 278 को सुकन्या समृद्धि योजना से लाभन्वित किया गया। 291 हितग्राहियों का आंगनबाड़ी में पंजीयन, 496 का आयुष्मान कार्ड निर्माण, 107 को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का लाभ, 1558 का सिकल सेल एनीमिया जांच, 140 हितग्राहियों का टीकाकरण, 949 हितग्राहियों का टीवी उन्मूलन जांच, 1166 लोगों का कुष्ठ रोग जांच, 33 को प्रधानमंत्री जनधन योजना से, 91 को जीवन ज्योति बीमा योजना एवं 158 हितग्राहियों को सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित किया गया।

आत्म समर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को पीएम आवास देने विशेष परियोजना क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- भारत सरकार द्वारा आत्म समर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत् पक्का मकान देने का निर्णय लिया गया है। इस विशेष परियोजना अंतर्गत राज्य स्तर पर 15000 अतिरिक्त आवास की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस तारतम्य में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई। समिति में पुलिस अधीक्षक, वन मंडलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग, उप संचालक पंचायत है। जिसमें प्रमुख निर्णय लिए गए। आत्म समर्पित व नक्सल पीड़ित परिवारों की 27 की सूची पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्ति पश्चात् इसका पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सत्यापन किया गया। तत्पश्चात् 12 पात्र, 15 अपात्र पाए गए है। जिसका समिति द्वारा अनुमोदन उपरांत जिले के वेबसाइट www.surajpur.nic.in पर प्रकाशन तथा सूची को कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, संबंधित जनपद पंचायत एवं संबंधित ग्राम पंचायत की कार्यालयों में चस्पा किया गया है। जिसका अवलोकन किया जा सकता है साथ ही किसी को आपत्ति हो तो 11 दिसंबर तक जिला पंचायत कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। 12 पात्र हितग्राहियों के सर्वे का कार्य जारी है, राज्य के आगामी निर्देश पश्चात् इनके स्वीकृति/राशि जारी करने का कार्य किया जाएगा।

रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में एआई और चैटजीपीटी प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 4-दिवसीय एआई और चैटजीपीटी प्रशिक्षण कार्यशाला का आज रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में सफल समापन हुआ। इस कार्यक्रम को मेट्री

एआई और जीआर टेक्नो इंडिया के सहयोग से और एसईसीएल की सीएसआर पहल के तहत वित्तीय सहायता से संचालित किया गया। कार्यशाला में 50 सरकारी स्कूलों के कंप्यूटर शिक्षकों ने भाग लिया, जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चैटजीपीटी के उपयोग में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम की उपलब्धियां:-कार्यशाला का नेतृत्व अनुराग डांगी, टेडएक्स स्पीकर ने किया। उन्हें उत्कर्ष मिश्रा और मेट्री एआई के संस्थापक रोहित कश्यप का पूरा सहयोग मिला। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। एआई के मूलभूत सिद्धांतः- शिक्षा में इसके उपयोग के अवसरों को समझना। चैटजीपीटी का व्यावहारिक उपयोग: शिक्षण सामग्री तैयार करने और छात्र सहभागिता बढ़ाने के लिए। हैंड्स-ऑन सत्र एआई उपकरणों को कक्षा में लागू करने का अभ्यास। कार्यक्रम का संचालन डीईओ श्री ललित पटेल के मार्गदर्शन में हुआ। डीईओ श्री ललित पटेल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश करना और शिक्षकों को सशक्त बनाना है। शिक्षकों की प्रतिक्रिया-कार्यशाला ने शिक्षकों के कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की। एक प्रतिभागी ने कहा, इस प्रशिक्षण ने हमें न केवल एआई की समझ दी, बल्कि इसे प्रभावी ढंग से लागू करना भी सिखाया। सफल समापन और प्रमाण पत्र वितरण- कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यशाला को सूरजपुर में तकनीकी साक्षरता बढ़ाने के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

महाविद्यालय में ''राष्ट्रीय गणित दिवस'' के उपलक्ष्य पर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर में राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 का आयोजन किया गया। यह आयोजन 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक किया जाना है। आज प्रथम कार्यक्रम के रूप में सूरजपुर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर कंपटीशन एवं क्विज आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एंड नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन डीएसटी, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया, नई

दिल्ली के द्वारा प्रायोजित किया गया है। कार्यक्रम में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (इंग्लिश मीडियम) एवं ग्लोबल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत भारतीय गणितज्ञों के चित्र बनाकर तथा क्विज में भाग लेकर गणित विषय हेतु आगे की पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के लिए मार्ग प्रशस्त किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे के निर्देशन में तथा सी कास्ट कोऑर्डिनेटर श्री टी.आर. राहंगडाले के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में गणित विभाग के विभाग अध्यक्ष श्री दीपचंद एक्का एवं भौतिक शास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष श्री अनिल कुमार चक्रधारी ने अपनी विशेष भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक अतिथि शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भी अपना योगदान दिया।

महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर चलाया जा रहा है जागरूकता कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के निर्देशानुसार आज स्टेडियम ग्राउंड में खेल विभाग के

द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक विश्व भर में चल रहे 16 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संदेश, मिशन शक्ति, सखी वन स्टॉप सेन्टर, महिला हेल्प लाईन नं. 181 के बारे में विस्तृत चर्चा की गई एवं छात्र-छात्राओं के साथ प्रश्नोत्तरी करके महिला उत्पीडन के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओ का लैंगिक उत्पीडन अधिनियम 2013 के बारे में बताते हुए (ह्यद्धद्र-ड्डथ×) में शिकायत करने संबंधित जानकारी, बालको का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2012 (Pocso), गुड टच बैड टच और बाल विवाह रोकने के संबंध में बच्चो को शपथ दिलायी गई एवं बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित जन प्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, महिला एवं बाल विकास विभाग से महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्रा तिवारी, सखी वन स्टॉप सेन्टर से केन्द्र प्रशासक श्रीमती विनिता सिन्हा एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम पंचायत में बनी नाली चंद्र दिनों में हुई गड्ढों में तब्दील

क्यूँ न लिखूँ सच -अमरीक सिंह

जनपद बहराइच के विकासखंड रिसिया के ग्राम पंचायत गौरा धनौली निहाल सिंह पूर्व में चंद्र दिनों पहले नाली निर्माण का कार्य ग्राम प्रधान के द्वारा ठेकेदार से कराया गया था। वर्तमान समय में नाली गड्ढों में तब्दील हो गई है, ग्रामीणों ने इसका विरोध कर दूरभाष के द्वारा जानकारी ब्लॉक अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी से की, शिकायत के एक हफ्ते बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्राम पंचायत निहाल

सिंह पूर्व में इससे पहले भी मानक विभिन्न कार्यों को लेकर सुर्खियों में बना हुआ है। जहां एक तरफ सरकार गांव में सफाई के लिए नाली निर्माण करा रही है ? ग्रामीणों को बीमारियों से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रही है। लेकिन अगर जमीनी हकीकत देखनी है तो रिसिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत निहाल सिंह पूर्व गौरा धनौली में आपको नजर आ रही है की सरकार के द्वारा दी गई योजनाओं का किस तरह से ग्राम विकास

अधिकारी व प्रधान की मिलीभगत से बंदर बांट की जा रही है। जल्द से जल्द नाली निर्माण कार्य का जांच करा कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्यवाही नहीं होती है तो ग्रामीणों का आरोप आमरण अंसन पर बैठ जाएंगे।

उर्जा एवं जल संरक्षण पर अद्ध दिवसीय कार्यशाला आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच

क्रेडा जिला कार्यालय सूरजपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरमा के संयुक्त तत्वाधान में जिला संसाधन केन्द्र सूरजपुर में अर्द्ध दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुआ जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरमा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेश चौक्से, सु.श्री. संपदा पैकरा, उप संचालक

कृषि, डी.एस. पैकरा, सहायक संचालक कृषि विभाग, बि. तिर्की, उप संचालक समाज कल्याण, बि.एस. मरकाम, सहायक अभियंता, सी.एस.पि.डी.सी. एल, डी सिदार कार्यपालन अभियंता क्रेडा तथा क्रेडा व कृषि विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी तथा जिले के 70 प्रगतिशिल किसान एवं किसान मित्र सम्मलित हुए। डॉ. राजेश चौक्से द्वारा कृषि के क्षेत्र में जल संरक्षण के विभिन्न उपाय अपनाने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को जागरुक किया गया साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कृषि के क्षेत्र में प्राकृति एवं जैविक खेती को बढावा देने जैविक खाद्य के कृषि में उपयोग को बढ़ावा दे के बारे में कृषको को विस्तार से बताया गया साथ ही क्रेडा के जिला अधिकारी रंजीत कुमार यादव द्वारा कृषि के क्षेत्र में उर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग से विद्युत बचत के बारे में बताया गया साथ ही विभागीय योजनाओं से भी कृषकों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के संचालन में लक्ष्मण जायसवाल, रविकांत देवांगन, अनिल, नितिन एवं कृषि विभाग के ग्रामिण कृषि विस्तार अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

अग्निवीर थल सेना भर्ती के शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने हेतु जिला प्रशासन द्वारा निशुल्क बस की व्यवस्था

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- भारतीय थल सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर द्वारा अप्रैल 2024 में ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.ई.ई) का आयोजन किया गया था। सी.ई.ई में उत्तीर्ण युवाओं के शारीरिक दक्षता एवं अन्य प्रक्रियाओं का आयोजन 04 दिसंबर से 12 दिसंबर 2024 तक जिला मुख्यालय रायगढ़ स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। सूरजपुर जिले में युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्ष के लिए 10 एवं 11 दिसंबर 2024 की तिथि निर्धारित है। सूरजपुर जिले के ऐसे अभ्यर्थी जो माह अप्रैल 2024 में आयोजित लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है वे शारीरिक दक्षता परीक्षा रायगढ़ में शामिल होना चाहते है, उनके लिए जिला प्रशासन सूरजपुर से बस की निशुल्क व्यवस्था की गइ

जगदीशपुर के स्वास्थ्य सेवाओं में नेतृत्व परिवर्तन: डॉ. प्रदीप तिवारी के स्थान पर डॉ. सुरेश कुमार सचान बने प्रभारी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी

जगदीशपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जगदीशपुर में हाल ही में बड़ा बदलाव किया गया है। सीएचसी के पूर्व अधीक्षक डॉ. प्रदीप तिवारी, जिनकी सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, को हटाकर डॉ. सुरेश कुमार सचान को प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह निर्णय स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिया गया, लेकिन क्षेत्रीय जनता के बीच यह बदलाव चर्चा का विषय बन गया है। स्वास्थ्य सेवाओं में डॉ. तिवारी का अभूतपूर्व योगदान-डॉ. प्रदीप तिवारी ने सीएचसी जगदीशपुर को एक आदर्श संस्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली और समर्पण ने न केवल मरीजों और कर्मचारियों का विश्वास जीता, बल्कि सीएचसी को पूरे प्रदेश में एक मॉडल के रूप में स्थापित किया। मरीजों से लेकर अस्पताल स्टाफ और जनप्रतिनिधियों तक, सभी ने उनके नेतृत्व में स्वस्थ और सुव्यवस्थित ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना शामिल है। उनके जागरूकता बढ़ी। नेतृत्व परिवर्तन के बाद क्षेत्र में बढ़ी बाद क्षेत्रीय जनता और जनप्रतिनिधियों ने इस फैसले पर सुचारु बनाए रखने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर डॉ. का आदेश-प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डॉ. को तत्काल प्रभाव से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निर्देश दिया गया है कि वे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य का संपादन सुनिश्चित करें। फ्रसाथ ही, डॉ. सुरेश कुमार जगदीशपुर, को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने जगदीशपुर का पदीय दायित्व अग्रिम आदेश तक संभालें। का मानना है कि डॉ. तिवारी जैसे समर्पित और सक्षम

माहौल का अनुभव किया। डॉ. तिवारी के कार्यकाल में सीएचसी आपातकालीन सेवाओं की दक्षता, स्वच्छता अभियान, और ग्रामीण व्यक्तिगत प्रयासों के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति चिंताएं- डॉ. सुरेश कुमार सचान को प्रभारी नियुक्त किए जाने के मिश्रित प्रतिक्रियाएं दी हैं। जहां एक ओर स्वास्थ्य सेवाओं को तिवारी के हटने से जनता में असंतोष भी दिखाई दे रहा है। प्रशासन प्रदीप तिवारी अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी में स्थानांतरित किया जाता है। उन्हें केंद्र, मुसाफिरखाना का कार्यभार ग्रहण करें और राजकीय कार्यों सचान, वरिष्ठ परामर्शदाता, ट्रामा सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, वर्तमान कार्य के साथ-साथ अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, क्षेत्रीय जनता की मांगः डॉ. तिवारी को लौटाया जाए-ग्रामीणों चिकित्सक को वापस लाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। क्षेत्रीय नेताओं और ग्रामीणों का कहना है कि उनके नेतृत्व में सीएचसी ने जो ऊंचाइयां छुई थीं, वह अब प्रभावित हो सकती हैं।एक ग्रामीण ने कहा, डॉ. तिवारी ने हमें स्वास्थ्य सेवाओं में आत्मनिर्भर बनाया। उनकी अनुपस्थिति से स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर हो सकती है। इसी तरह, आशा बहुओं और अस्पताल कर्मचारियों ने भी यह मांग की है कि डॉ. तिवारी को वापस लाकर सीएचसी को उनकी कुशल देखरेख में फिर से सक्रिय किया जाए। डॉ. सचान के सामने चुनौतीपूर्ण कार्यकाल- नए प्रभारी डॉ. सुरेश कुमार सचान के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्यकाल होने वाला है। उन्हें न केवल डॉ. तिवारी के स्तर की सेवाओं को बनाए रखना होगा, बल्कि जनता के भरोसे को भी जीतना होगा। क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए उनके कदम और नेतृत्व क्षमता आने वाले समय में साबित करेंगे कि वह इस जिम्मेदारी को किस तरह निभाते हैं। क्या डॉ. तिवारी की वापसी संभव?-जगदीशपुर के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी अब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अपील कर रहे हैं कि डॉ. तिवारी को वापस लाया जाए। उनकी वापसी से क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की गति और तेज होगी। इस घटनाक्रम ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जागरूकता और सक्रियता बढ़ाई है। जगदीशपुर का यह नेतृत्व परिवर्तन सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक अहम मोड़ साबित हो सकता है।

These daily habits are increasing the risk of diabetes among the youth, be careful in time

Diabetes is a disease which has no cure and people often control it with medicines and healthy lifestyle. For some time now, its cases are increasing rapidly in India. Especially in the youth (Diabetes Tips For Youth), cases of diabetes are increasing continuously. Usually some daily habits can be the reason for this. Let's know what are these habits. Diabetes is a serious disease, which has no cure. These days its cases have started increasing rapidly among the youth. Some daily habits are the main reason for its increasing cases. Diabetes is a serious disease, which has no cure. For some time now, its cases have started increasing rapidly all over the world. Especially in India, its cases have seen a worrying increase in the last few years.

This is the reason why India has become the diabetes capital of the world. It is an incurable disease, which is controlled with the help of medicines and diet. For some time now, its cases have started increasing rapidly among the youth (Diabetes Risk In Youth). Apart from family history, some other habits also cause this serious disease. In such a situation, today in this article we are going to tell you about some such habits (Daily Habits Causing Diabetes), which are causing diabetes in the youth these days (Diabetes Tips For Youth). These days, people's sitting jobs are becoming the cause of many types of health problems. In such a situation, the habit of sitting continuously is making people victims of this incurable disease. Using a car to go to office, home and anywhere outside promotes an inactive lifestyle, which increases the risk of diabetes as well as thyroid, heart disease etc. Skipping breakfast Due to daily hectic life and work pressure, people do not even have time for themselves. In such a situation, often due to hurry and many other reasons, people skip breakfast or forget to have breakfast. Morning breakfast is very important to stay healthy. In such a situation, if you skip breakfast, then you eat more calories and fat rich foods during the day, which can increase the risk of diabetes. Eating more refined carbs- Refined carbs like white bread, white rice and refined flour are part of most people's diet these days. However, all these food items are harmful for health. Refined carbs stimulate the body to produce more insulin, which increases the amount of insulin in the body and increases the risk of diabetes. Working late nights and lack of sleep can cause many diseases. Diabetes is one of them. These days the culture of late night work has increased a lot, but after working late at night, one is not able to sleep properly at night, due to which the risk of developing diabetes increases in the youth. Taking stress, stress has become a part of the lifestyle of many people these days. Many people are often surrounded by stress due to work or other reasons. In such a situation, it also becomes a major risk factor for diabetes. Stress hormones increase your blood sugar. Therefore, you may need more insulin or medicine to control it.

If you are troubled by short height, then follow these natural tips, your height will become as big as Great Khali

Everyone wants that his height should be as big as others. If you also want to increase your height (Natural Height Growth Tips), then follow the tips we have given. The tips given to increase height work only when your body is in the growth phase. However, do not worry,

these tips will be useful for you. Healthy diet has a direct effect on health as well as height. Good sleep is necessary for the growth and health of the body. Exercises are helpful in increasing your height. Nowadays people have more problem of short height. Some children grow in height very quickly, while many children look short according to their age. People who have very short height ask how to increase height (Natural Height Growth Tips)? Ways to increase height or what to do to increase height? Although there is no shortcut to increase height, but there are some things that we can adopt to increase our height. Most of the problems have only one solution, right diet, good sleep, exercise. So if you also want to increase your height, then your height will increase with these natural methods. Let's know in detail - Right diet - Healthy diet directly affects our health as well as height. Nutrients like protein, calcium, vitamin D, zinc and iron are necessary for the development and strength of bones. If you take a healthy diet, it will make your body healthy. Along with this, it will help in increasing height. Try to take a healthy diet till adolescence. Because it will be effective only when your growth plates (growing parts of bones) are active. These usually stop after adolescence. Good sleep - Good sleep is necessary for the growth and health of the body. During sleep, the body produces growth hormones, which are helpful in the development of bones and muscles. On the other hand, physical development stops due to lack of sleep. When you get adequate sleep, your height will definitely increase. It is necessary to sleep for 8 hours. Exercise and stretching - Exercises like swimming, yoga, basketball and pull-ups are helpful in increasing your height. Apart from this, stretching exercises like cobra pose, Surya Namaskar and Pilates make the muscles strong and flexible. Exercise and stretching can improve your posture and help you stand straight. Avoid smoking and alcohol If you are older and you are still troubled by short height, then you should avoid smoking and alcohol consumption. Because these can potentially hinder height growth. Truth about increasing height - 60-80% of your height depends on genetics. After adolescence, it becomes almost impossible to increase height, because the growth plates close. You can improve your physical fitness and personality with a healthy diet, exercise and good lifestyle.

Sarcasm on every matter and constant doubt, 4 habits of wives become a headache for every husband

The relationship between husband and wife is very special. Also, this relationship (Relationship Care Tips) is also very delicate. In such a situation, it is important to take care of some things to maintain sweetness in it. Wives have many such habits that become a headache for the husband. In such a situation, it is necessary to change these habits for happiness in the relationship. To strengthen the relationship between husband and wife, adjustment has to be made. However, sometimes some habits become a cause of trouble for husbands. There are 4 such habits of the wife, which bother every husband. The relationship between husband and wife (Relationship Care Tips) is very important. This is a relationship that stays together for life. This relationship tied with seven rounds and seven vows is considered unbreakable and hence it is very important to keep some things in mind to maintain it. As special as this relationship is, it is also as delicate. That even small mistakes can sometimes prove to be costly for this is the reason many stages. During this time, the husband and wife try to adopt this relationship. This lifelong relationship goes through is difficult to adopt them even if one wants to. Especially for many habits of each other. Some habits are such that it Bad Habits) becomes a big task. There is something in both husbands, tolerating some habits of their wife (Wives tolerate, but the wife has some such habits (Wife Annoying husband and wife, which is difficult for each other to about some such habits of wives-Shopping is the weakness of Habits) which irritates every husband. Let us know headache for every husband. Women get ready immediately on almost every woman and this habit of the wife is a their wife, husbands' pockets often start getting empty. In such hearing the name of shopping and due to this habit of irritated by this habit of the wife. Doubting all the time- It is a situation, due to extravagance, husbands often get hollow. In such a situation, the habit of wives to doubt every often said that doubt can make a good relationship but it also irritates every husband. Due to doubt, the habit of little thing can not only cause distance in the relationship,

taking updates from the husband all the time and checking his mobile often becomes a cause of trouble for husbands. Taunting on every small thing- The habit of taunting on every small thing is the habit of almost every wife. However, this habit is no less than a punishment for husbands. They start feeling irritated due to repeated taunting and many times it starts showing in their behavior as well. The taunts given by the wife often hurt the heart of the husband, so to maintain sweetness in the relationship, this should be avoided. Showing anger or ego- There are often arguments and fights in the relationship between husband and wife. However, many times wives exaggerate the issue or get angry without any reason, which not only spoils the atmosphere of the house but also irritates the husband. Therefore, you should try to control your anger or ego as much as possible and resolve the dispute by talking calmly.

Shah Rukh and Salman came face to face in the oath ceremony, these stars also increased the glory of the event

Maharashtra got a new Chief Minister yesterday. Devendra Fadnavis took oath as the Chief Minister. Bollywood stars were also seen in the oath taking ceremony. Many big stars of B-town attended the ceremony and made this event more beautiful. People were filled with

curiosity to see Bollywood's Karan-Arjun together in the ceremony. Many pictures have surfaced on social media. Devendra Fadnavis became the Chief Minister of Maharashtra Devendra Fadnavis took oath on December 5 - Many Bollywood stars reached the oath taking ceremony. Film stars are also seen connected to politics. While some stars themselves enter the field of politics, some are seen participating actively in events related to politics. Recently, Maharashtra Chief Minister oath taking ceremony was organized, where apart from the world of politics and business, Bollywood stars also made an entry. The Chief Minister oath taking ceremony was organized on December 5. Devendra Fadnavis (Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis) took oath as the new Chief Minister of Maharashtra. Many famous Bollywood stars attended this ceremony. Karan-Arjun seen together at the oath ceremony- Pictures of Maharashtra Chief Minister's oath ceremony have surfaced on social media, in which many Bollywood stars were seen. Hindi cinema's close friends Shah Rukh Khan and Salman Khan also met at this event. The photo of both of them together is going viral. In one picture, Shah Rukh Khan is seen meeting the God of cricket Sachin Tendulkar. Shah Rukh wore a blazer with a gray T-shirt at the event and he again managed to steal the hearts of the fans with his stylish avatar. At the same time, Salman Khan was spotted with business tycoon Mukesh Ambani after meeting Shah Rukh. 'Alexander' looked handsome in a brown shirt, coat and goggles. Ranveer Singh also attended the oath ceremony. He is seen hugging someone in his powerful energetic look. His look in black look is amazing. In another picture, he is seen shaking hands with Sachin Tendulkar's wife Anjali Tendulkar. Apart from this, Janhvi Kapoor also reached the event with her father Boney Kapoor and rumored boyfriend Shikhar Pahariya. In one picture, she was seen at the ceremony with her brother Arjun Kapoor. Her minimal look in green saree was wreaking havoc. Bollywood actor Vicky Kaushal was also seen at this ceremony. He looked handsome in all black look.

Amidst the news of divorce, Abhishek-Aishwarya were seen together at an event, everyone was left speechless

On one hand, the entire social media is filled with news of the rift going on in the relationship between Abhishek Bachchan and Aishwarya Rai Bachchan. Meanwhile, a photo of the couple has shut everyone's mouth. A photo of Aishwarya and Abhishek Bachchan is becoming increasingly viral on social media. News of rift was coming for a long time- Abhishek-Aishwarya seen at an event in Mumbai- Actress Ayesha Jhulka shared the picture. News of separation

of Abhishek Bachchan and Aishwarya Rai has been coming in the media for a long time. It is being said that everything is not going well in the relationship of both. At the same time, the couple was spotted separately many times, due to which such news got more air. Abhishek-Aishwarya seen twinning- Now recently a photo of Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan is going viral in which both of them are seen together. During this, Aishwarya's mother Brinda Rai was also seen with her. Film producer Anu Ranjan has shared their pictures on social media. In the photo caption, he wrote, 'Lots of love.' Sachin Tendulkar, Tusshar Kapoor and other celebrities were also present at this party. Both Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan were smiling in the photo. At the same time, actress Ayesha Jhulka has shared more pictures from the party. Both were seen twinning in black color dresses. Both have been married for 17 years and have a daughter Aaradhya. Recently, Abhishek expressed his gratitude to Aishwarya for taking care of his daughter Aaradhya. Abhishek had said that Aishwarya takes care of daughter Aaradhya, so he got the freedom to pursue his film career Abhishek Bachchan called himself lucky In a conversation with The Hindu, Abhishek said, "I am lucky in my house that I get a chance to go out and make films because I know Aishwarya is at home with Aaradhya and I thank her a lot for this, but I don't think children see it that way. They see you not as a third person but as a first person." Aishwarya Rai was last seen in Mani Ratnam's film Ponniyin Selvan: Part 2. Abhishek's film I Want to Talk has recently been released in theaters. Shoojit Sircar directed this film. This is an emotional story whose story is based on father-daughter relationship.

Neha Kakkar- This singer is richer than Shreya Ghoshal, lives a luxurious life with a net worth of 210 crores

The popularity of Bollywood's top singing sensation Neha Kakkar is no less than the stars of the film screen. The songs of Shreya Ghoshal and Sunidhi Chauhan also get the love of music lovers, but in terms of net worth, another female singer is at the forefront. Let's know who is the highest earning female singer. Neha Kakkar or Shreya Ghoshal do not have the highest net worth India's richest female singer comes from the T-Series family What are the popular songs of the highest earning female singer The names of some popular female singers are popular among music lovers. Fans even remember the lyrics of their songs. This list includes the names of popular Indian singers like Neha Kakkar, Shreya Ghoshal and Sunidhi Chauhan. You must also think that any one of these three singers will have the highest net worth. However, this is not the case at all. Let us know which female singer of India is the richest. India's richest female singer has a connection with the T-Series family. This production house produces films as well as songs. The special thing is that India's highest net worth female singer is also related to T-Series. Tulsi Kumar is the richest female singer - Tulsi Kumar, daughter of the Kumar family, owner of T-Series, is the richest female singer of India. According to the report of Indiatimes, singer Tulsi Kumar's net worth is 210 crores. The special thing is that due to her net worth, she leaves behind many popular Bollywood actresses along with other female singers. Talking about Tulsi's source of income, she has achieved the feat of India's richest singer due to her stake in the family business. For your information, let us tell you that Tulsi Kumar is also the owner of T-Series' channel Kids Hit and she has the right over its earnings. Talking about the content of this channel, it has content like poems and stories for children. Tulsi Kumar's singing career - Talking about her singing career, her two-decade career has been a hit. The actress has worked in many superhit Bollywood films. This list includes songs from films like Dabangg, Bhool Bhulaiyaa, Reddy, Kabir Singh, Satyaprem Ki Katha. Along with this, the singer has worked with Himesh Reshammiya in many popular songs. She has worked with the singer in songs like Humko Deewana Kar Gaye.